सक्सेस मिरर

सफलता का कैप्सूल

वर्ष : 8
अंक : 95
दिसम्बर : 2017

Visit us at : www.pdgroup.in

इस अंक में...

7 | क्रोध की धार कटार से भी अधिक विनाशकारी

8 | समसामयिकी घटना संग्रह

10 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

19 | आर्थिक घटना संग्रह

- आईसीएआर ने 22 राज्यों में बासमती की खेती पर रोक लगाई
- फोर्ब्स टॉप 10 सूची में मुकेश अम्बानी सबसे अमीर
- कांडला पोर्ट का नाम बदलकर 'दीन दयाल पोर्ट' रखा गया
- भारत में शिशु मृत्यु दर में कमी का अनुमान

23 | राष्ट्रीय घटना संग्रह

- उत्तर प्रदेश में संकल्प बस सेवा का शुभारम्भ
- भारत में प्रदूषण के कारण सबसे अधिक मौतें
- प्रधानमंत्री मोदी ने 'गरीबी भारत छोड़ो' अभियान आरम्भ किया
- मोबाइल के आईएमईआई नम्बर से छेड़छाड़ करने पर 3 साल की कैद

28 | अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- जापान आम चुनाव में शिंजो अबे ने जीत दर्ज की
- अमरीका ने यूनेस्को से अलग होने की घोषणा की
- चीन ने लगाया फेसबुक पर पूर्ण प्रतिबन्ध

- 14वाँ भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन

31 | खेल खिलाड़ी

- सऊदी अरब में पहली बार महिला खेल संघ की अध्यक्ष बनी

- दलीप ट्रॉफी 2017-18 का 56वाँ संस्करण सम्पन्न
- विराट कोहली 200वें वनडे में शतक जड़ने वाले भारत के पहले क्रिकेटर बने
- भारत तीसरी बार हॉकी एशिया कप का चैम्पियन बना

35 | महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

लेख

39 | समसामयिक लेख—केन-बेतवा नदी जोड़ परियोजना एक महत्वपूर्ण कड़ी

40 | समसामयिक लेख—समान नागरिक संहिता की ओर पहल

41 | कैरियर लेख—जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश कैसे?

87 | प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता

88 | तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-92 का परिणाम

89 | रोजगार अवसर

हल प्रश्न-पत्र

44 | रेलवे भर्ती बोर्ड गैर-तकनीकी (एनटीपीसी) परीक्षा, 2016

53 | छत्तीसगढ़ पटवारी प्रशिक्षण चयन परीक्षा, 2017

62 | उत्तर प्रदेश उच्च न्यायालय (समूह-घ) भर्ती परीक्षा, 2017

69 | सशस्त्र सीमा बल कॉस्टेबिल (ड्राइवर) भर्ती परीक्षा, 2016-17

75 | आगामी उत्तराखण्ड शिक्षक पात्रता परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे-इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

➲ **सम्पादक** : महेन्द्र जैन
➲ **रजिस्टर्ड ऑफिस** : 2/11-ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-2
➲ **सम्पादकीय ऑफिस**
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने
आगरा-मथुरा बाईपास, आगरा-282 005
फोन- 4053333, 2531101, 2530966
फैक्स- (0562) 4053330
ई-मेल: सम्पादकीय: publisher@pdgroup.in
कस्टोमर केयर: care@pdgroup.in

➲ **दिल्ली ऑफिस**
4845, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली-110 002
फोन- 011-23251844/66

➲ **पटना ऑफिस**
पारस भवन (प्रथम तल),
खजांची रोड,
पटना- 800 004
फोन- 0612-2673340
मो- 09334137572

➲ **कोलकाता ऑफिस**
H-3, ब्लॉक-B, म्यूनिसिपल प्रीमिसेस No.
15/2, गालिफ स्ट्रीट, पी.एस. श्यामपुकुर,
कोलकाता- 700 003 (W.B.)
मो- 07439359515

➲ **हैदराबाद ऑफिस**
16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा आर.
टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड
(आन्ध्रा बैंक के बगल में), हैदराबाद-500 036
(तेलंगाना) मो- 9391487283

➲ **हल्द्वानी ऑफिस**
8-310/1, ए. के. हाउस
हीरानगर, हल्द्वानी,
जिला-नैनीताल- 263 139
(उत्तराखण्ड)
मो- 07060421008

➲ **इन्दौर**
30-31, जिन्सी हाट मैदान,
बाबा रामदेव मंदिर के निकट
मलहारगंज
इन्दौर- 452 002 (म.प्र.)
फोन- 9203908088

➲ **लखनऊ ऑफिस**
B-33, ब्लंट स्क्वायर, कानपुर
टैक्सी स्टैण्ड लेन, मवइंया,
लखनऊ- 226 004
फोन- 0522-4109080
मो- 09760181118

➲ **नागपुर ऑफिस**
1461, जूनी शुक्रवारी,
सक्करदरा रोड, हनुमान
मन्दिर के सामने,
नागपुर-440 009 (महाराष्ट्र)
फोन- 0712-6564222
मो- 09370877776

क्रोध की धार कटार से भी अधिक विनाशकारी

—साध्वी वैभवश्री 'आत्मा'

क्रोध से तिलमिलाए व्यक्ति को क्रोध के प्रत्युत्तर से शान्त नहीं किया जा सकता, क्योंकि क्रोधित व्यक्ति अपनी इन्द्रियों पर से नियन्त्रण खो चुका होता है तभी तो वह सामने वाले का अहित-मनसा-वाचा-कर्मणा करने के लिए तैयार हो जाता है. आग की लपटों को हवा के झोंकों से शान्त नहीं किया जा सकता. पानी डालकर उसे बुझाया अवश्य जा सकता है. ठीक इसी प्रकार व्यक्ति के क्रोध को प्रतिक्रोध से शान्त नहीं किया जा सकता, बल्कि अहिंसक तरीके से उसे निरुत्तर अवश्य किया जा सकता है. क्रोध हिंसा का प्रतीक है, प्रेम-दया-करुणा अहिंसा से उपजे अस्त्र हैं जिनका प्रभाव अधिक व्यापक होता है.

कोहेण अप्पं डहती परं च,
अत्थं च धम्मं च तहेव कामं ।
तिव्वं य वेरंपि करेंति क्रोधा,
अधमं गतिं वा वि उविंति कोहा ।।

ऋषिभाषित सूत्र की उपर्युक्त पंक्तियाँ कह रही हैं कि क्रोध से आत्मा 'स्व' एवं 'पर' दोनों को जलाती है, अर्थ, धर्म एवं काम को जलाती है, तीव्र वैर भी करता है तथा नीच गति को प्राप्त करता है.

क्रोध की धार कटार (चाकू, तलवार, तीर, भाला) से भी अधिक विनाशकारी है, क्योंकि कटार तो जीव का एक बार ही वध करती है, किन्तु क्रोध जीव का बार-बार घात करता है. क्रोधी व्यक्ति हिंसक बन जाता है, वह उस माचिस की तीली की तरह बन जाता है जो दूसरों को व स्वयं को लगातार जलाता जाता है. क्रोध में अन्धा बना मनुष्य स्व-पर का विवेक खो बैठता है. क्रोधी स्वभाव वाले का कोई 'अपना' नहीं होता. सभी उससे भय खाते हैं. सभी उससे दूर भागने में ही अपना भला मानते हैं. क्रोधी के अनेक विरोधी भी पैदा हो जाते हैं.

कहा है किसी कवि ने कि—

क्रोध करना छोड़ दो,
क्रोध दुर्गुण की खान है ।
पतन का है मार्ग,
फिर होना नहीं उत्थान है ।।
भस्म होती है इसी में,
मनुज की सद्भावना ।
कृत्य और अकृत्य का,
फिर हो न सकता ज्ञान है ।।

क्रोध असमर्थता की कुण्ठा का व्यक्त रूप है. आत्मज्ञानी पूज्य श्री विराट गुरुजी का कहना है कि अधैर्य व आत्मविश्वास की कमी, अनेकांत दृष्टिकोण का अभाव यानि आग्रही स्वभाव व्यक्ति को क्रोधी बना देता है. क्रोध से व्यक्ति के भीतर की शान्ति, प्रेम व सद्भावना जैसे सभी मानवीय गुण नष्ट होने लगते हैं. क्रोधी के मुख से निकले बोल सामने वाले के दिल को चीर-चीर कर देते हैं. दूसरों की भावनाओं को आहत करते हैं और उनके चित्त में भी दुर्भावनाओं को पैदा कराने में निमित्त बन जाते हैं. पूज्य विराट गुरुजी कहा करते हैं कि—

'क्रोध मिटावे बोध'

'क्रोध है तो विरोध है, बस वही अबोध है. मोक्ष का अवरोध है.'